

भारतीय शिक्षा बोर्ड

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

कक्षा-11

सत्र-2026-27

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

रोल नं.

Code No. 101

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

हिंदी

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें एवं पूर्णरूप से उनका अनुपालन करें।

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

नोट : कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 11 मुद्रित पृष्ठ हैं।

- (i) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नंबर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- (ii) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 19 प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके निर्धारित अंक दिए गए हैं।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10:15 बजे किया जाएगा। पूर्वाह्न में 10:15 से 10:30 बजे तक छात्र प्रश्न-पत्र को केवल पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका में कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
- (v) प्रश्न-पत्र को चार खंडों में विभाजित किया गया है—खंड 'क', खंड 'ख', खंड 'ग', खंड 'घ' सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार कीजिए।
- (vi) उत्तर लिखते समय शब्द-सीमा का ध्यान रखें।
- (vii) खंड 'क' में कुल 2 प्रश्न हैं; सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- (viii) खंड-'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं; सभी के उत्तर लिखिए।
- (ix) खंड-'ग' में कुल 6 प्रश्न हैं; सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- (x) खंड-'घ' में कुल 4 प्रश्न हैं; सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- (xi) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

Jaitley

13/10/26

खंड-क (अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गये प्रश्नों के तर्कसंगत उत्तर दीजिये- (8)

यहाँ अपने देश की सीमाओं की दुश्मन से रक्षा करने के लिए मनुष्य सदैव सजग रहा है। प्राचीन काल में युद्ध क्षेत्र सीमित होता था तथा युद्ध धनुष-बाण, तलवार, भाले आदि द्वारा होता था, परंतु आज युद्धक्षेत्र सीमाबद्ध नहीं है। युद्ध में अंधविश्वास से हटकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। आज विज्ञान ने लड़ाई को एक नया मोड़ दिया है। अब हाथी, ऊँट, घोड़ों का स्थान रेल, मोटरगाड़ियों और हवाई जहाजों ने ले लिया है। धनुष-बाण आदि का स्थान बंदूक व तोप की गोलियों और रॉकेट, मिसाइल, परमाणु तथा प्रक्षेपास्त्रों ने ले लिया है और उनके अनुसार राष्ट्र की सीमाओं के प्रहरियों में अंतर आया है।

अब मानव प्रहरियों का स्थान बहुत हद तक यांत्रिक प्रहरियों ने ले लिया है जो मानव से कहीं अधिक सजग, त्रुटिहीन और क्षमतावान् हैं। आधुनिक प्रहरियों में रेडार, सौनार, लौरान, शौरान आदि विशेष उल्लेखनीय हैं। यहाँ रेडार का वर्णन किया जाता है।

रेडार का उपयोग द्वितीय विश्वयुद्ध में प्रारंभ हुआ। 'रेडार' शब्द 'रेडियो डिटेक्शन एंड रेंजिंग' के प्रथम अक्षरों से बना है। इसका अर्थ यह भी है कि किसी भी रेडार से एक निश्चित क्षेत्र के अंदर ही वायुयान की स्थिति ज्ञात की जा सकती है। यदि जहाज उस 'रेंज' से बाहर है तो पता नहीं लगाया जा सकता। रेडार एक अति लाभदायक व महत्वपूर्ण प्रहरी है, जिसमें विद्युत चुंबकीय तरंगों की मदद से उड़ते हुए शत्रु के विमानों की सही स्थिति का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

(i) प्राचीन काल में युद्ध के उपकरण क्या थे? (1)

- (क) रॉकेट, मिसाइल
- (ख) बंदूक, तोप
- (ग) धनुष-बाण, तलवार, भाले
- (घ) हवाई जहाज, रेल

(ii) 'रेडार' शब्द का पूर्ण रूप क्या है? (1)

- (क) रेडियो डायरेक्शन एंड रिसर्च
- (ख) रेडियो डिटेक्शन एंड रेंजिंग
- (ग) रेंज डिटेक्शन एंड रेडियो
- (घ) रेडियो डिटेक्टिव एंड रेंज

(iii) रेडार किस प्रकार की तरंगों का उपयोग करता है? (1)

- (क) ध्वनि तरंगें
- (ख) प्रकाश तरंगें
- (ग) विद्युत चुंबकीय तरंगें
- (घ) गुरुत्वाकर्षण तरंगें

(iv) रेडार का मुख्य कार्य क्या है? (1)

(v) रेडार की मदद से किस चीज़ की सही स्थिति ज्ञात की जा सकती है? (2)

निर्देश : नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन कथनों को ध्यान से पढ़िए और नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

(vi) (A) कथन : आज युद्धक्षेत्र सीमाबद्ध नहीं है।

(R) कारण : आज विज्ञान ने लड़ाई को एक नया मोड़ दिया है, जिससे युद्ध के उपकरण और तकनीक बदल गए हैं।

- (क) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (ख) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (ग) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
- (घ) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

प्रश्न-2 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गये प्रश्नों के तर्कसंगत उत्तर दीजिये— (6)

पंचवटी की छाया में है, सुन्दर पर्ण-कुटीर बना।

उसके सम्मुख स्वच्छ शिला पर, धीर, वीर, निर्भीक मना॥

जाग रहा वह कौन धनुर्धर, जबकि भुवन भर सोता है?

भोगी कुसुमायुध योगी-सा बना दृष्टिगत होता है।

किस व्रत में है व्रती वीर यह, निद्रा का यों त्याग किए।

राजभोग के योग्य विपिन में, बैठा आज विराग लिए।

बना हुआ है प्रहरी जिसका, उस कुटीर में क्या धन है।

जिसकी रक्षा में रत इसका तन है, मन है, जीवन है॥

मर्त्यलोक मालिन्य मेटने, स्वामी संग जो आई है।

तीन लोक की लक्ष्मी ने यह, कुटी आज अपनाई है।

(i) “पंचवटी की छाया में है, सुन्दर पर्ण-कुटीर बना।” इस पंक्ति में “पर्ण-कुटीर” का क्या अर्थ है? (1)

(अ) पत्तों से बनी कुटिया

(ब) सुंदर महल

(स) पत्थर का घर

(द) लकड़ी का मकान

(ii) कुसुमायुध किसके समान प्रतीत होता है? (1)

(iii) कुटीर में कौन आया है जो मर्त्यलोक का मालिन्य मेटने आया है? (1)

(iv) “वीर वंश की लाज” किसे कहा गया है? (1)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं—एक कथन (A) और दूसरा कारण (R) है। दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनें। (2)

(v) कथन (A) : धनुर्धर राजभोग के योग्य होते हुए भी विपिन में वैराग्य लिए बैठा है।

कारण (R) : वह किसी विशेष व्रत में है और निद्रा का त्याग किए हुए है।

(अ) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(ब) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(स) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

(द) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

खंड-ख

व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न-3 : निम्नलिखित काव्य पंक्तियों (सूची-I) का उनके सही अलंकार (सूची-II) से मिलान कीजिए— (2)

सूची i (काव्य पंक्तियाँ)

सूची ii (अलंकार)

(i) मुख मयंक सम मंजु मनोहर।

(क) मानवीकरण अलंकार

(ii) कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।

(ख) उत्प्रेक्षा अलंकार

(iii) आए महंत वसंत।

(ग) उपमा अलंकार

(iv) मनहुँ नीलमनि सैल पर, आतपु परयो प्रभात।

(घ) यमक अलंकार

प्रश्न 4 : निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके संबंधित 'रस' के साथ सुमेलित कीजिए : (2)

सूची-1 (काव्य पंक्तियाँ)

सूची-2 (रस)

(i) बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।

(क) रौद्र रस

(ii) बतरस लालच लाल की मुरली धरि लुकाय
सौंह करै भौंहनु हँसै, दैन कहै नटि जाय॥

(ख) करुण रस

(iii) श्री कृष्ण के सुन वचन, अर्जुन क्षोभ से जलने लगे,
सब शील अपना भूल कर, करतल युगल मलने लगे।

(ग) वीर रस

(iv) अभी तो मुकुट बँधा था माथ, हुए कल ही हल्दी के हाथ।
हाय! रुक गया यहीं संसार, बना सिंदूर अनल अंगार॥

(घ) शृंगार रस

प्रश्न 5 : निम्नलिखित शब्दों का उनके सही संधि भेद के साथ मिलान कीजिए— (2)

कॉलम 'अ' (शब्द/संधि विच्छेद)

कॉलम 'ब' (संधि का नाम)

(i) विद्यालय (विद्या + आलय)

(क) विसर्ग संधि

(ii) सज्जन (सत् + जन)

(ख) गुण स्वर संधि

(iii) निश्चय (निः + चय)

(ग) दीर्घ स्वर संधि

(iv) परोपकार (पर + उपकार)

(घ) व्यंजन संधि

प्रश्न-6 नीचे दी गई तालिका में स्तम्भ 'क' में व्याकरणिक भेद दिए गए हैं और स्तम्भ 'ख' में उनके उदाहरण।

सही शब्द का सही भेद से मिलान कीजिए।

(3)

स्तम्भ 'क' (व्याकरणिक भेद)

स्तम्भ 'ख' (उदाहरण)

1. संज्ञा

(क) धीरे-धीरे

2. सर्वनाम

(ख) और

3. विशेषण

(ग) हिमालय

4. क्रिया विशेषण

(घ) दौड़ना

5. अव्यय (समुच्चयबोधक)

(ङ) सुंदर

6. अकर्मक क्रिया

(च) वह

प्रश्न-7 निम्नलिखित शब्दों को पहचान कर उनके सामने तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज लिखिए-

$$(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 2)$$

- (i) मयूर
- (ii) खिड़की
- (iii) स्कूल
- (iv) हाथ

प्रश्न-8 'अनु' उपसर्ग और 'आइन' प्रत्यय वाले दो-दो शब्द लिखिए-

(2)

प्रश्न-9 निम्नलिखित शब्दों में समास की पहचान कीजिए-

(1X3)

(i) 'यथाशक्ति' शब्द में कौन-सा समास है?

- (क) तत्पुरुष समास
- (ख) अव्ययीभाव समास
- (ग) बहुब्रीहि समास
- (घ) द्वंद्व समास

(ii) 'लम्बोदर' (लम्बा है उदर जिसका अर्थात् गणेश) में कौन-सा समास है?

- (क) कर्मधारय समास
- (ख) द्विगु समास
- (ग) बहुब्रीहि समास
- (घ) द्वंद्व समास

(iii) जिस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं और 'और' शब्द का लोप होता है, उसे क्या कहते हैं?

- (क) द्वंद्व समास (जैसे : माता-पिता)
- (ख) द्विगु समास
- (ग) अव्ययीभाव समास
- (घ) तत्पुरुष समास


13/10/26

खंड-ग
पाठ्यपुस्तक

प्रश्न-10 निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में सही उत्तर का चयन कीजिए—(5)

ब्रह्म देश में पीपल के पत्ते पर सरस्वती विराजती हैं। हमारे देश में तो वह बिराजती हैं तो जिह्वाग्र पर दोनों में साम्य है तो यही कि दोनों में कोई भी स्थिर नहीं रहता—जीभ भी चलने के लिए प्रसिद्ध है और पीपल का पत्ता भी। पीपल का नाम चलदल है इसीलिए। चाहे कितना ही सन्नाटा हो, कहते हैं कि पीपल को ध्यान से देखें तो एक न एक पत्ता जरूर हिलता नजर आएगा। हमने अभी तक इसका अपवाद नहीं देखा अत्यंत निश्चल जान पड़ने वाली हवा में भी कम-से-कम एक पत्ती तो काँपती ही देखी है। इस निरंतर गतिशीलता से कोई जो चाहे परिणाम निकाल ले। लेकिन कभी-कभी यह भी शंका मन में उठती है, अगर इस बात को उलटकर कहें, तो वह भी क्या इतनी ही सच न होगी 'बल्कि क्या वह भी इसी सत्य का दूसरा पहलू न होगी? कि कितनी भी आँधी-बवंडर हो, पीपल का एक पत्ता अवश्य निश्चल खड़ा होगा, इस सत्य को आजमाने का कभी मौका नहीं मिला, एक तो यों ही आँधी में इतर आकर्षण और कठिनाइयाँ इतनी होती हैं, दूसरे निश्चलता में एक कंपन को देख लेना आँखों के लिए अपेक्षया आसान है, आँधी में काँपते हुए समूचे वृक्ष की हलचल में एक निश्चल पत्ते को ढूँढ़ लेना कहीं कठिन है। दृष्टि सहज ही गति की ओर आकृष्ट होती है। लेकिन देखने की कठिनाई से ही क्या स्वीकार कर लेना होगा कि वह सत्य अस्तित्व ही नहीं रखता ?

(i) ब्रह्म देश और भारत की मान्यताओं में सरस्वती के निवास स्थान को लेकर क्या 'साम्य' (समानता) बताई गई है? (1)

- (क) दोनों ही स्थानों पर शांति रहती है।
- (ख) दोनों ही स्थानों पर सरस्वती स्थिर नहीं रहतीं।
- (ग) दोनों ही स्थानों पर सरस्वती केवल विद्वानों के पास रहती हैं।
- (घ) दोनों ही स्थानों पर पीपल की पूजा की जाती है।

(ii) पीपल को 'चलदल' क्यों कहा जाता है? (1)

- (क) क्योंकि इसकी जड़ें बहुत गहरी होती हैं।
- (ख) क्योंकि इसके फल बहुत मीठे होते हैं।
- (ग) क्योंकि इसका पत्ता निरंतर हिलता रहता है।
- (घ) क्योंकि यह बहुत छायादार वृक्ष है।

(iii) लेखक के अनुसार, अत्यंत शांत या निश्चल हवा में भी पीपल की क्या विशेषता देखी जा सकती है? (1)

(क) समूचा वृक्ष हिलता हुआ दिखता है।

(ख) पीपल का वृक्ष सोता हुआ प्रतीत होता है।

(ग) कम-से-कम एक पत्ती अवश्य काँपती हुई दिखती है।

(घ) पीपल के फूल झड़ने लगते हैं।

(iv) आँधी-बवंडर के समय 'निश्चल पत्ते' को ढूँढ़ना कठिन क्यों है? (1)

(क) क्योंकि आँधी में आँखें खुल नहीं पातीं।

(ख) क्योंकि दृष्टि सहज ही गति (हलचल) की ओर आकृष्ट होती है।

(ग) क्योंकि आँधी में पीपल के सारे पत्ते गिर जाते हैं।

(घ) क्योंकि लेखक को पेड़ों के पास जाने से डर लगता है।

(v) गद्यांश के अंतिम हिस्से में लेखक किस दार्शनिक विचार की ओर संकेत करता है? (1)

(क) जो दिखता है वही सत्य है।

(ख) जो नहीं दिखता, उसका अस्तित्व ही नहीं होता।

(ग) देखने की कठिनाई का अर्थ यह नहीं कि सत्य का अस्तित्व नहीं है।

(घ) गति ही जीवन का एकमात्र सत्य है।

प्रश्न-11 निम्नलिखित पठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में सही उत्तर का चयन कीजिए— (5)

सचिव बैद गुर तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस। राज धर्म तन तीनि कर होइ बेगिहीं नास॥

नीच निचाई नहिं तजइ सज्जनहू के संग। तुलसी चंदन बिटप बसि बिनु बिष भए न भुअंग॥

राज करत बिनु काजहीं करहिं कुचालि कुसाजि। तुलसी ते दसकंध ज्यों जइहैं सहित समाज॥

जो परि पायँ मनाइए तासों रूठि बिचारि। तुलसी तहाँ न जीतिऐ जहँ जीतेहूँ हारि॥

(i) प्रथम दोहे के अनुसार, यदि मंत्री, वैद्य और गुरु—भय या आशा (स्वार्थ) के कारण प्रिय बोलने लगें (चाटुकारिता करें), तो किन तीन का शीघ्र नाश हो जाता है? (1)

(क) धन, वैभव और सुख

(ख) राज, धर्म और तन (शरीर)

(ग) माता, पिता और मित्र

(घ) ज्ञान, भक्ति और वैराग्य

(ii) “चंदन बिटप बसि बिनु बिष भए न भुअंग” के माध्यम से तुलसीदास जी क्या कहना चाहते हैं? (1)

(क) चंदन के वृक्ष में विष होता है।

(ख) सज्जनों की संगति से दुष्ट सुधर जाते हैं।

(ग) नीच व्यक्ति सज्जनों के साथ रहकर भी अपनी दुष्टता (विष) नहीं त्यागता।

(घ) साँप को चंदन बहुत प्रिय है।

(iii) जो राजा बिना किसी कारण के अपनी प्रजा के विरुद्ध कुचाल चलते हैं और बुरे कार्यों में लगे रहते हैं, उनका अंत किसकी तरह होता है? (1)

(क) बाली की तरह

(ख) कंस की तरह

(ग) दशकंध (रावण) की तरह सपरिवार

(घ) दुर्योधन की तरह

(iv) “तुलसी तहाँ न जीतिऐ जहाँ जीतेहूँ हारि” पंक्ति का क्या तात्पर्य है? (1)

(क) जहाँ जीतने पर भी आपकी नैतिक हार हो, वहाँ जीतने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

(ख) हार को जीत समझ लेना चाहिए।

(ग) खेल में हमेशा जीतना चाहिए।

(घ) अपनों से हारना ही जीत है।

(v) अंतिम दोहे में श्री राम और रावण/बाली के व्यवहार में क्या अंतर बताया गया है? (1)

(क) राम ने राज्य त्याग दिया, रावण ने नहीं।

(ख) राम ने वन के पशु-पक्षियों को भी मित्र बना लिया, जबकि बाली और रावण ने अपने हितैषियों को शत्रु बना लिया।

(ग) राम बहुत बलवान थे, रावण कमजोर था।

(घ) राम ने युद्ध किया, रावण ने संधि की।

प्रश्न-12 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

(1+1+3+1=6)

‘अन्न बहुत है, किंतु धान सबसे निराला अन्न। कितने आकार के, कितने प्रकार के, कितने रंग के, कितनी सुगंध के! और किस अन्न में इतनी किस्में पाई जाती हैं, इतने रंग पाए जाते हैं, इतनी सुगंध पाई जाती है? और नाम भी कैसे-कैसे ! बासमती, तुलसीफूल, श्यामजीरा, धानदेव-अन्न। कोई पूजा पूरी हो सकती है बिना धान के, अक्षत के? देवता पर चढ़ाना है, इसलिए हर दाने पर रुखड़ा, मोटा, मजबूत छिलका डाल दिया गया है—कहीं कोई जूठा न कर दे। छिलके हटे कि श्वेत, स्निग्ध, सुवासित चावल निकल आए। खीर पकाइए, भात बनाइए, खिचड़ी डालिए या पूँजा, मूड़ो या चिउड़ा के रूप में ग्रहण कीजिए। किंतु किसी भी रूप में ग्रहण करने से पहले कृष्णार्पण करना मत भूलिए, क्योंकि धान मेरा अन्न है। मेरे अनेक रूप, धान के अनेक रूप। मेरे अनेक नाम, धान के अनेक नाम। और इसी के नाते तो मैंने कहा है—मासानां मार्गशीर्षोऽहम्। खेत से खलिहान में आइए। धान के बोझों का अंबार लगा है—खेत की लक्ष्मी घर में जाने के पहले खलिहान में ‘नगर-विश्राम’ ले रही है। जरा सुस्ता लेगी, फिर ‘गृह प्रवेश’ करेगी। बाप मगन है, बेटा मगन है और वहाँ दूर पर गुल्लीडंडा खेलता पोता भी क्या कम मगन है? यही नहीं, बैलों की उस जोड़ी को देखिए—नया, ताजा, मुलायम चारा खाकर वह भी किस शान से जुगाली कर रही है, मस्त-मगन है।

प्रश्न-13 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

(1+1+3+1=6)

“हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती -
स्वयंप्रभा समुज्ज्वला
स्वतंत्रता पुकारती -
अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है-बढ़े चलो, बढ़े चलो !
असंख्य कीर्ति-रश्मियाँ,
विकीर्ण दिव्य दाह-सी।
सपूत मातृभूमि के -
रुको न शूर साहसी !
अराति सैन्य सिंधु में - सुवाड़वाग्नि-से जलो।
प्रवीर हो जयी बनो-बढ़े चलो, बढ़े चलो !”

प्रश्न-14 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर 100 से 120 शब्दों में दीजिये-

(2X2)

- (i) 'गौरा' पाठ को पढ़ने के बाद, अपने आस-पास के पशुओं के प्रति आपके दृष्टिकोण में क्या परिवर्तन आया है? क्या आप भी किसी पशु के साथ वैसा ही भावनात्मक जुड़ाव महसूस कर पाते हैं जैसी लेखिका ने महसूस किया ?
- (ii) लेखक ने भारतीय संस्कृति को किसी देश-विशेष की मौलिकता न मानकर 'सामान्य मानव-संस्कृति' का भाग क्यों माना है ?
- (iii) 'जिंदगी से भागा हुआ' कहानी में शिवांश का संघर्ष और उसकी वापसी हमें 'सफलता' की प्रचलित धारणा के बारे में क्या सिखाती है? क्या मानसिक शांति और रचनात्मक संतोष, सामाजिक प्रतिष्ठा से अधिक मूल्यवान हैं?

प्रश्न-15 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर 80 से 120 शब्दों में दीजिये-

(2X2)

- (i) विनोद कुमार शुक्ल की कविता 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' में कवि ने व्यक्ति की पहचान के स्थान पर उसकी 'हताशा' को पहचानने पर बल क्यों दिया है?
- (ii) तुलसीदास के दोहे "सचिव बैद गुर तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस..." के आधार पर बताइए कि एक आदर्श समाज और शासन व्यवस्था के लिए सत्यनिष्ठा और निर्भीकता क्यों आवश्यक है?
- (iii) यदि आपका कोई मित्र निराशा या अवसाद की स्थिति में है, तो आप उसमें सकारात्मक मूल्यों को कैसे जगाएँगे ? 'वो दिन अवश्य आएँगे' कविता के आधार पर विचार करते हुए उत्तर लिखिए।


13/0/26

खंड-घ

रचनात्मक लेखन

प्रश्न-16 निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिये—

(5)

(i) 'संचार' शब्द की उत्पत्ति 'चर' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है—

(1)

(क) स्थिर रहना

(ख) एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचना/चलना

(ग) बोलना

(घ) सुनना

(ii) जनसंचार की सबसे प्रमुख विशेषता क्या है?

(2)

(iii) समाचार लेखन के कितने 'ककार' होते हैं ?

(1)

(iv) 'वॉचडॉग पत्रकारिता' का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(1)

प्रश्न-17 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये—

(6)

(i) समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली शैली कौन-सी है? और क्यों।

(1)

(ii) पत्रकारिता में 'बीट' शब्द का क्या अर्थ है?

(1)

(iii) फीचर किसे कहते हैं?

(1)

(iv) संचार के प्रमुख साधन क्या-क्या हैं लिखिए—

(1)

(v) संचार के लिए आवश्यक तत्व क्या-क्या हैं?

(2)

प्रश्न-18 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये—

(4)

(i) 'खोजी पत्रकारिता' किसे कहते हैं?

(1)

(ii) एक संपादक में क्या-क्या विशेषता होनी चाहिए? लिखिए—

(3)

प्रश्न-19 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये—

(5)

(क) वर्तमान समय में सोशल मीडिया जनसंचार के सबसे सशक्त माध्यम के रूप में उभरा है। इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं का उल्लेख करते हुए समाज पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

(ख) एक अच्छी कविता निर्माण के लिए किन-किन तत्वों की आवश्यकता होती है? विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

